Induction of Batch 2014-16 MBA & MBA IB at FMS, BHU

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

बुधवार, 16 जुलाई 2014, वाराणसी, पांच प्रदेश, 18 संस्करण, नगर

लक्ष्यों और उपलब्धियों का पुल है अनुशासन

वाराणसी | वरिष्ठ संवाददाता

बीएचयू के प्रबंधशास्त्र संकाय में मंगलवार को शैक्षणिक सत्र का आरंभ शिक्षकों के आशीर्वचन से हुआ। छात्रों के लिए 'प्रेरणा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संकाय प्रमुख प्रो. आरके पाण्डेय ने स्वागत करते हुए कर्तव्यनिष्ठ और मूल्यवान बनने का आह्वान किया। बोले, नवीनता और नेतृत्व के सिद्धांतों के माध्यम से शिक्षा को समझने की जरूरत है।

आरंभ महामना पंडित मदनमोहन मालवीय के चित्र पर माल्यार्पण करने के साथ हुआ। शिक्षकों ने महामना के आदर्श को अपनाने और उनके बताये मार्ग का अनुसरण करने पर बल दिया। प्रो. एचसी चौधरी ने कहा कि एक दूसरे से विशिष्ट रहो। प्रो. दीपक बर्मन ने इंटर्नशीप कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। प्रो. पीएस त्रिपाठी ने समूह में चर्चा करने और अपनी जानकारियों को एक-दूसरे के साथ साझा करने पर जोर दिया।

प्रो. एचपी माथुर ने कहा कि लक्ष्यों और उपलब्धियों का पुल अनुशासन है। अच्छा शिक्षक वही है जो छात्रों को प्रेरित करे। प्रो. उषा किरण ने कहा विश्वविद्यालय की संस्कृति से जुड़ने के साथ अच्छा इंसान बनने का भी प्रयास करना चाहिए।

प्रो. आशीष बाजपेयी ने कहा कि सावन माह में नवीन छात्रों का आगमन स्वयं में शुभकारी है। इसके बाद द्वितीय वर्ष के छात्र प्रणव हुण्डू और अमूल्य बेरी ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का छात्रों की ओर से अभिनंदन किया।

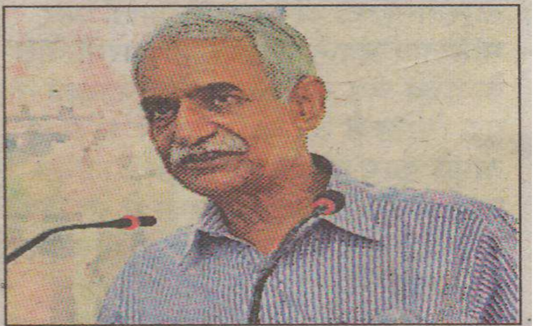

प्रबंधशास्त्र संकाय में छात्रों को सम्बोधित करते डीन प्रो. आरके पांडेय।

नया सत्र

- बीएचयू प्रबंधशास्त्र संकाय में छात्रों के स्वागत में 'प्रेरणा' कार्यक्रम
- महामना के आदर्श और बताये मार्ग का अनुसरण करने पर दिया बल

आज
वाराणसी, १६ जुलाई, २०१४ ३

बीएचयू के प्रबन्ध शास्त्र संकायमें आयोजित कार्यक्रममें मंचासीन अतिथिगण।

नवीनता एवं नेतृत्वके सिद्धान्तोंसे शिक्षाको अंगीकरण करनेकी जरूरत

बीएचयू प्रबंधशास्त्रके नवप्रवेशी छात्रों को शिक्षकोंने सफलताका दिया मंत्र

काशी हिन्दू विश्वविद्यालयके प्रबन्धशास्त्र संकायमें मंगलवारको इंडक्शन कार्यक्रमका आयोजन कर नये सत्रके नव प्रवेशी विद्यार्थियोंका स्वागत किया गया। इस अवसरपर संकाय प्रमुख प्रोफेसर आर.के. पाण्डेयने विद्यार्थियोंको कर्तव्यनिष्ठ और मूल्यवान बननेके लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहाकि नवीनता एवं नेतृत्वके सिद्धान्तोंके माध्यमसे शिक्षाको समझनेकी जरूरत है। सफलताका मंत्र एक लक्ष्यपर ध्यान केन्द्रित कर कार्य करनेके दृष्टिकोणमें निहित है। प्रोफेसर एच सी चौधरीने नव प्रवेशी विद्यार्थियोंको इस महान विश्वविद्यालयका एक अंग बननेपर बधाई दी। उन्होंने कहाकि विद्यार्थी एक दूसरेसे विशिष्ट बने। प्रोफेसर दीपक वर्मनने ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रमपर प्रकाश डाला। प्रोफेसर एच पी माथुरने कहाकि लक्ष्य और उपलब्धियोंके मध्य अनुशासन ही सेतुका कार्य करता है। अच्छा शिक्षक वही है, जो छात्रोंको प्रेरित करे। प्रोफ़ेसर उषा किरण रायने कहाकि नव प्रवेशी विद्यार्थी विश्वविद्यालयकी संस्कृति एवं परम्परासे अवगत हो। प्रोफेसर आशीष वाजपेईने कहाकि यह शुभ संकेत है कि नये छात्रोंका आगमन सावन माहके प्रारम्भके साथ हो रहा है। प्रोफेसर पी.एस. त्रिपाठीने नये विद्यार्थियोंके साथ वार्ता कर उन्हें ज्ञानार्जनके लिए प्रेरित किया। कार्यक्रमका संचालन प्रोफेसर एच.पी. माथुरने किया।

राष्ट्रीय सहारा
6 | www.samaylive.com | वाराणसी
वाराणसी | बुधवार • 16 जुलाई • 2014

नवीन सिद्धांतों से शिक्षा को समझें

■ प्रबंध शास्त्र संकाय में नव प्रवेशियों का परिचय समारोह संपन्न

वाराणसी (एसएनबी)। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय प्रबंध शास्त्र संकाय में मंगलवार को नव प्रवेशी विद्यार्थियों के लिए परिचय समारोह का आयोजन किया गया। संकाय प्रमुख प्रो. आरके पाण्डेय ने विद्यार्थियों को महामना तथा बीएचयू की गरिमा से अवगत कराया। उन्होंने देश विदेश से आये विद्यार्थियों को कतर्व्यनिष्ठ व धैर्यवान बनने का मंत्र दिया साथ ही गुरुकुल की ख्याति को बढ़ाने में योगदान की अपील की।

उन्होंने कहाकि नवीनता और नेतृत्व सिद्धांत के माध्यम से शिक्षा को नये सिरे से समझने की जरूरत है। समय के साथ ही समाज में व्यापक बदलाव हुआ है अत्याधुनिक संयंत्रों ने शिक्षा को जितना सुलभ बना दिया है उतना ही विद्यार्थियों को अपटूडेट रहने की भी जरूरत है। नित नये संदेश व तथ्यों के प्रतिपादन से ज्ञान का विकास तेजी से हो रहा है। प्रो. एचसी चौधरी ने विद्यार्थियों को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का छात्र होने के गौरव से परिचित कराया। कहा कि महामना की बगिया को देखने का सपना सच होने पर लोगों को खुशी होती है आप सभी भाग्यशाली है कि आप को विश्वविद्यालय में रहने तथा यहां से शिक्षा ग्रहण करने का अवसर मिला है। प्रो. दीपक बर्मन ने विद्यार्थियों को समय के महत्व का पाठ पढ़ाया। इसके साथ ही संकाय द्वारा विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखकर चलाये जा रहे कोर्स तथा इन्टर्नशिप प्रोग्राम की जानकारी दी। इस अवसर पर प्रो. आशीष बाजपेयी ने भी विचार व्यक्त किया।

समारोह को सम्बोधित करते संकाय प्रमुख प्रो. आरके पाण्डेय। फोटो : एसएनबी

hindustantimes
WEDNESDAY, JULY 16, 2014

INDUCTION FOR NEW FMS-BHU STUDENTS HELD

VARANASI: The induction session for the newly admitted management students of academic session 2014-2016 of Faculty of Management Studies, Banaras Hindu University, (FMS-BHU) was conducted on Tuesday. Welcoming new students, head and dean of the faculty, professor RK Pandey focused on utilising two-year curriculum for overall personality development. Prof HC Chaudhary apprised them of placements of students of the last batch and importance of attendance in the faculty. PS Tripathi encouraged students to enhance their knowledge and wisdom.

वाराणसी, 16 जुलाई 2014 दैनिक जागरण

नव प्रवेशियों को बताया अनुशासन

वाराणसी : प्रबंध शास्त्र संकाय (बीएचयू) में मंगलवार को नव प्रवेशियों को तहत लक्ष्य पर केंद्रित रहने की सीख दी गई। समन्वय, सद्भाव तो भरा ही गया विवि की परंपरा व संस्कृति को आत्मसात करने की राह सुझाई गई। इंडक्शन कार्यक्रम में शिक्षकों ने कर्तव्यनिष्ठ एवं संस्कारवान बनने की प्रेरणा दी। प्रो. एचके चौधरी, प्रो. दीपक बर्मन, प्रो. पीएस त्रिपाठी, प्रो. उषा किरण राय, प्रो. आशीष बाजपेयी आदि ने विचार व्यक्त किए। स्वागत प्रो. आरके पांडेय व संचालन प्रो. एचपी माथुर ने किया।

www.inextlive.com
inext
हर दिन एक नई शुरुआत
आई नेक्स्ट
Vol 7, Issue 230
Varanasi
Wednesday,
16 July 2014
Page 20,
Price : ₹1.50
Weather
Max : 35.8°C
Min : 28.8°C
Sunset : 6.50 pm
Sunrise :5.18 am

फ्रेशर्स को दी अनुशासन की सीख

VARANASI : फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, बीएचयू में मंगलवार को फैकल्टी में एडमिशन लेने वाले फ्रेशर्स को डिसप्लिन में रहने और लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पूरे मनोयोग से लगने की सीख दी गयी. फ्रेशर्स को महामना और बीएचयू के महान आदर्शों से भी परीचित कराया गया. इंट्रोडक्शन प्रोग्राम में टीचर्स ने संस्कारवान बनने की प्रेरणा दी. कहा कि किसी भी कार्य की सफलता के लिए सतत प्रयास और अनुशासन बहुत जरूरी है. कार्यक्रम में प्रो. एचके चौधरी, प्रो. दीपक बर्मन, प्रो. पीएस त्रिपाठी, प्रो. उषा किरण राय, प्रो. आशीष बाजपेयी आदि ने स्टूडेंट्स को अपने विचारों से अवगत कराया. स्वागत प्रो. आरके पांडेय व संचालन प्रो. एचपी माथुर ने किया.